(C-9) Test (परीक्षण)

परीक्षण (Test) :- परीक्षण एक व्यापक शब्द है, जिससे किसी ऐसे मापन का बोध होता है जिसके द्वारा मात्रात्मक आँकड़े प्राप्त किया जाता है।

e.g. Physics में वस्तु की लम्बाई मापन के लिए स्केल या फुट का प्रयोग किया जाता है तापमान मापने के लिए थर्मामीटर, समय मापन के लिए क्रोनोमीटर का प्रयोग किया जाता है।

परीक्षण वह यंत्र है जिसके द्वारा मापन किया जाता है। और मापन करने की प्रक्रिया को परीक्षण कहते हैं।

Kinds of Test (परीक्षण के प्रकार) :-

Assessment For learning (C-9)

(1) व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test)

(2) सामूहिक परीक्षण (Group Test)

(3) मौखिक एवं लिखित परीक्षण (Verbal and Written Test)

(4) गति एवं शक्ति परीक्षण (Speed and power Test)

(5) प्रमापीकृत परीक्षण (Standardization Test)

(6) बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test)

(7) विशिष्ट अभियोग्यता परीक्षण (Test of Special ability)

(8) निष्पत्ति परीक्षण (Achievement Test);

(9) पूर्व-कथन परीक्षण (Prognostic Test)

(10) विश्लेषणात्मक परीक्षण (Analytical Test)

(11) निपुणता परीक्षण (Mastery Test)

(12) रुचि - परीक्षण (Interest Invetories)

(13) परिस्थितिक परीक्षण (Situational Test)

(14) अभिवृत्ति परीक्षण (Aptitude Test)

(1) व्यक्तिगत - परीक्षण (Individual Test) :- वैसे परीक्षण जिन्हें एक समय में केवल एक ही व्यक्ति पर प्रशासित किया जाता है। उसे व्यक्तिगत परीक्षण कहते हैं। इन परीक्षणों के प्रशासन के

लिए परीक्षक को पूरा ध्यान देना पड़ता है। और उसका प्रशिक्षित होना अति आवश्यक होता है। इन परीक्षणों में परीक्षार्थी की आयु, योग्यता के आधार पर परीक्षक उसमें ~~आवश्यक~~ आवश्यक परिवर्तन कर सकता है। इन परीक्षणों से प्राप्त परिणाम अधिक विश्वसनीय होते हैं क्योंकि परीक्षण की सारी परिस्थिति पर परीक्षक का पूर्ण नियंत्रण रहता है। e.g. T.A.T बुद्धि परीक्षण।

(2) सामूहिक परीक्षण (Group Test)

ऐसे परीक्षण जिसमें एक ही समय में सैकड़ों व्यक्तियों पर प्रशासित किया जाता है। उसे सामूहिक परीक्षण कहते हैं। इस परीक्षण में समय और धन की बचत होती है। इसके द्वारा होने वाला सभी निष्कर्ष अधिक प्रतिष्ठित होते हैं। आज के युग में इसका प्रचलन

बदला जा रहा है। जैसे - प्रोजेक्टर द्वारा इन परीक्षणों को समूह पर प्रकाशित किया जाता है।

(3) मौखिक और लिखित परीक्षण (Verbal and Written Test) :-

मौखिक परीक्षण :- मौखिक परीक्षणों का प्रयोग प्रायः कक्षा में वास्तविक ज्ञान के मापन के लिए अध्यापक द्वारा किया जाता है। इन परीक्षणों का प्रयोग प्रायः छोटी कक्षाओं में किया जाता है। साक्षात्-कारों में इस प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग किया जाता है।

लिखित परीक्षण :- लिखित परीक्षणों का प्रयोग अधिकांश वैज्ञानिक अध्ययनों में किया जाता है। इनकी परिस्थितियाँ

तथा प्रश्न पूर्ण रूप से मानकीकृत होते हैं।

(5) गति परीक्षण (Speed Test) :-

इन परीक्षणों में प्रश्नों की संख्या अधिक होती है किन्तु परीक्षार्थी को प्रश्न हल करने के लिए समय कम होता है। इन परीक्षणों में सामान्य कठिनाइयों के प्रश्न होते हैं जिन्हें छात्रों को के अतिशीघ्र प्रश्न को हल किया जाता है। प्रश्नों की संख्या अधिक होने से सभी परीक्षार्थी सभी प्रश्नों को समय के अभाव में हल नहीं कर पाते हैं। गति परीक्षण में समय का महत्व अधिक होता है। जैसे :- किसी परीक्षा के प्रश्नों की संख्या 100 हो तथा इन प्रश्नों को 40 मिनट में हल किया जाता है। वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में समय का अधिक महत्व दिया जाता है।